>

Title: Regarding National Agriculture Insurance Scheme.

**श्री सुभाष बापूराव वानखेडे (हिंगोली):** अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की ओर दिलाना चाहता हूं। सन् 2009-2010 में मेरे चुनाव क्षेत्र विदर्भ के यवतमाल जिले के उमरखेड़ा और महागांव तहसीलों के किसानों ने राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना के तहत अपनी फसलों का बीमार कराया था। राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना का यवतमाल जिले में सभी तहसीलों के किसानों भाइयों को लाभ मिला और मुआवजा मिला। वहां बारिश कम होने की वजह से अपनी फसलों का बीमार कराया था।

उमड़खेड और महागांव तहसील के किसान भाइयों ने अपनी 15 फसलों का बीमा कराकर हजारों रुपये बीमा कंपनियों को दिये हैं। लेकिन उमड़खेड़ और महागांव तहसील क्षेत्र के किसान भाइयों के ऊपर कंपनी ने बहुत अन्याय किया है। एक-दो फसलों का इंश्योरेंस दिया है बाकी फसलों को छोड़ दिया है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने विदर्भ के विकास के लिए प्रधानमंत्री पैकेज दिया, क्योंकि वहां किसान भाई आत्महत्या कर रहे थे, आत्महत्या रोकने के लिए गाय दीं, भैंस दीं, मोटर-इंजन दिये, किसानों को फसल के लिए कर्जा दिया, सब्सिडी दी और उसके बाद भी वर्ष 2009-2010 की फसल बर्बाद हो गयी। उमड़खेड़ और महागांव तहसील के किसानों के साथ जो अन्याय हुआ है, मैं आपके माध्यम से सरकार से अपील करता हूं कि इसकी जांच की जाए और किसान भाइयों को उचित मुआवजा दिया जाए।